राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9798431468

प्रेस–विज्ञप्ति

मातृभाषा हिन्दी में भावों का सम्प्रेषण सहज एवं ग्राह्य है–राज्यपाल

पटना, 11 सितम्बर, 2021

''मातृभाषा हिन्दी में भावों का सम्प्रेषण सहज एवं ग्राह्य है। इसे बोलने और समझने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है।''–यह बातें महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने डॉ० सी०एल० सोनकर द्वारा लिखित पुस्तक ''उत्तर प्रदेश के लोकधर्मी कवि एवं समाज'' के लोकार्पण के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहीं।

उन्होंने कहा कि डॉ० सोनकर ने इस पुस्तक में लोकधर्म से संबंधित उत्तर प्रदेश के इकसठ संतों एवं कवियों के पदों का मार्मिक वर्णन किया है। विभिन्न शिक्षण संस्थानों में इन संतों एवं कवियों के साथ–साथ इनकी रचनाओं के बारे में भी पढ़ाया जाता है तथा इनपर अनेक शोध कार्य लगातार किए जा रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि डॉ० सोनकर की इस कृति में अवधी, भोजपुरी, बुन्देली, कन्नौजी, कौरवी व ब्रज लोक साहित्य की रचनाओं को भी दिखाने का प्रयास किया गया है। इनके लेखन में ऐतिहासिक दृष्टिकोण अपनाते हुए गुरु गोरखनाथ से लेकर भारतेन्दु तक तथा लोक गीतों और बोलियों एवं तत्समय की परम्पराएँ तथा लोक–संस्कृति को दर्शाने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस कृति के माध्यम से एक तरफ उत्तर प्रदेश के लोकधर्मी कवि एवं समाज के विवरणों का तथ्यपरक रेखांकन किया गया है, वहीं दूसरी तरफ विद्वानों के विभिन्न मतों के माध्यम से हिन्दी भाषा की उत्पत्ति को प्राकृत से जोड़ने का भी प्रयास किया गया है। इस पुस्तक की रचना में यह भी प्रयास किया गया है कि यहाँ के समाज तथा साहित्य के आन्दोलनों की विचारधाराओं का कोई पक्ष अछूता न रहे।

विदित हो कि लोकार्पित पुस्तक ''उत्तर प्रदेश के लोकधर्मी कवि एवं समाज'' के लेखक डॉ० सी०एल० सोनकर उत्तर प्रदेश सरकार के प्रान्तीय सिविल सेवा के अधिकारी हैं।

राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सुरेन्द्र प्रताप सिंह, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० गिरीश कुमार चौधरी एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो० अब्दुल मतीन ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....